PUBLICATION NAME :	**Mayur Samvad**
EDITION :	**Ahmedabad**
DATE :	**23/08/2022**
PAGE:	**6**

एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, अहमदाबाद की मेजबानी में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की क्षेत्रीय बैठक का आयोजन

संवाददाता (दिल्ली) एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल और एआईसीटीई के सहयोग से ईडीआईआई परिसर में 14वीं क्षेत्रीय बैठक का आयोजन किया। बैठक का उद्देश्य छात्रों के बीच एंटरप्रेन्योरशिप और इनोवेशन की भावना को बढ़ावा देना था। गुजरात के उच्च और तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. कुबेरभाई एम डिंडोर इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए, जबकि गुजरात के उच्च शिक्षा आयुक्त श्री एम नागराजन आईएएस आयोजन के विशिष्ट अतिथि बने। समारोह में शामिल अन्य सम्मानित अतिथियों में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल और एआईसीटीई के असिस्टेंट इनोवेशन डायरेक्टर श्री दीपन साहू, एआईसीटीई भोपाल के सीआरओ डॉ. सी.एस. वर्मा, आईहब के सीईओ श्री हिरणमय महंत, ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील शुक्ला और ईडीआईआई के उद्यमिता शिक्षा विभाग के डायरेक्टर डॉ. सत्य रंजन आचार्य के नाम प्रमुख हैं। एक दिवसीय कार्यक्रम में गुजरात और उसके आसपास के 185 संस्थानों के 400 से अधिक लोगों ने भाग लिया और 75 से अधिक स्टार्टअप ने अपने अभिनव स्टार्टअप विचारों का प्रदर्शन किया। बैठक में आईआईसी मॉडल पर क्वालिटी एचईआई भागीदारी के प्रभाव, नीति जागरूकता और एमआईसी और एआईसीटीई की आई एंड ई पहल के से संबंधित चर्चा पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों को युक्ति-नेशनल इनोवेशन रिपोजिटरी (एनआईआर) से अवगत कराया गया, जो संस्थान में छात्रों, पूर्व छात्रों/हाल के स्नातकों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, इनक्यूबेट किए गए उद्यमियों में से विचारों, नवाचारों और स्टार्ट-अप की पहचान करके संस्थानों में इनोवेशन रिपोजिटरी क्रिएशन की एक प्रक्रिया है। कार्यक्रम में सम्मानित गणमान्य लोगों और मेहमानों को बधाई देते हुए ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा, ''मुझे खुशी है कि हमने एक समाज के रूप में उद्यमिता को अन्य करियर विकल्पों के समान स्थान पर रखने की दिशा में केंद्रित प्रयास शुरू कर दिए हैं। आज, उद्यमिता को एक प्राकृतिक करियर विकल्प के रूप में अपना हक मिल रहा है और छात्र उद्यमिता को करियर के रूप में चुनने के विकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुझे खुशी है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। दरअसल उच्च शिक्षण संस्थानों की भूमिका उद्यमिता की गहरी जड़ें जमाने में अत्यधिक महत्वपूर्ण है, खासकर युवा पीढ़ी के बीच।'' गुजरात के उच्च और तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. कुबेरभाई एम डिंडोर ने मुख्य अतिथि के तौर पर अपने संबोधन में कहा, ''हम सभी जानते हैं कि एक उद्यमी राष्ट्र क्या कर सकता है, और हम इस देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण उद्यमी कहलाने के लिए तत्पर हैं। भारत और गुजरात में भी संस्थानों, नीतियों और निवेशकों का अद्भुत मेल है। राज्य सरकार युवा पीढ़ी को अपने अनूठे विचारों के साथ आगे आने के लिए प्रोत्साहित करती है। सरकार हमेशा उन लोगों को प्रोत्साहित करती है, जो लीक से हटकर सोचते हैं और यह यूनिकॉर्न की बढ़ती संख्या और देश के बढ़े हुए स्टार्टअप अनुपात में स्पष्ट रूप से नजर भी आता है।'' गुजरात के उच्च शिक्षा आयुक्त श्री एम नागराजन आईएएस ने कहा, ''लक्ष्य बहुत बड़ा है और संस्थानों, नीति निर्माताओं, नियामक निकायों और बड़े पैमाने पर समाज को स्थायी परिणाम देखने के लिए मजबूत प्रयास करने की आवश्यकता है। उद्यमिता देश के लिए एक विकास इंजन के समान काम करती है, और इसे हर तरह से बढ़ावा दिया जाना चाहिए। आज की युवा पीढ़ी इनोवेटिव है और विचारों से भरपूर भी। उन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और उनके विचारों को संरक्षण प्रदान करने का प्रयास किया जाना चाहिए। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि गुजरात इन आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।'' केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल और एआईसीटीई के असिस्टेंट इनोवेशन डायरेक्टर श्री दीपन साहू ने अपने संबोधन में कहा, ''मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आईआईसी की क्षेत्रीय बैठकें महत्वपूर्ण विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर रही हैं।